



को copy दि जाती। वकील अर्षी की बहल  
लुनी गड़ी वकील अर्षी ने अपनी बहल में  
पार्शिंग फा से वर्णित तरंगों को दोहराया व  
कहा कि पार्शिंग ने जब अपनी जमीन  
अपार्शी को विक्रय की तब एक अनुबंध  
मिलपादिन किया गया था जिसके para No.  
4 में यह लिखा गया था कि क्रेता पार्शिंग  
को उपरोक्त भूमि में आने जाने के लिए उत्तर  
द्वं पतराब नहीं करेगा। तथा वकील पार्शिंग  
ने यह भी बताया कि पार्शिंग ने जब अपनी  
जमीन अपार्शी को विक्रय की तो उसके से  
4 बिन्दा जमीन पार्शिंग ने अपने पूर्वजों की  
समाधि हेतु रखी थी जिस पर आने जाने हेतु  
उन्हें वर्तमान पार्शिंग फा के माध्यम से 10  
फीट चौड़ा रास्ता दिलवाया जावे।

वकील अपार्शी ने अपने जवाब अफ वकूत के  
माध्यम से यह निवेदन किया कि अपार्शी ने  
उपरोक्त जमीन (खसरा सं. 361, 364, 365, 364  
उपत तारतौली पत्राद ब्लका औरथला) आबूरीड  
पार्शिंग से क्रय की तथा खसरा सं. 361 की 4  
बिन्दा भूमि पार्शिंग व उसके परिवार के पुजा  
हेतु पार्शिंग के पास ही रही क्योंकि वहा पर  
उनके पूर्वजों की समाधि थी।

वकील अपार्शी ने यह भी कहा कि अनुबंध  
जिसका वर्णन वकील पार्शिंग ने किया है कही  
यह नहीं लिखा कि पार्शिंग को अपार्शी रास्ता  
द्वारा परन्तु सिर्फ आने जाने से नहीं रोकने हेतु  
था।

वकील अपार्शी ने यह कहा कि R.T.A.  
की द्वारा 251-A के तहत खसरा No. 361/L

प्रति

तब जॉर्ज के लिए रास्ता दिखाने का यह  
 तर्कमान प्रार्थना पत्र पेश किया है परन्तु  
 प्राथीगण ने 2016 (बैचान) ही आज दिनांक  
 तब कभी उक्त खम्बरे पर कोई खेती  
 नहीं की है व ही कृषि प्रयोजनार्थ उपयोग  
 में ली गई है अतः धारा 25-A के तहत  
 रास्ता लेने हेतु प्राथीगण को कोई  
 एक अधिकार नहीं है

वकील अपुर्णों ने कहा कि अपुर्णों कभी  
 प्राथीगण को अपनी भूमि पर आने जाने हेतु  
 नहीं रोकते हैं व प्राथीगण अपुर्णों के खेत  
 से ही ली हुई खर के पीछे हाकड़ पगड़ी का  
 रास्ता उपयोग कर घूटा इत्यादि करते आ रहे हैं।  
 परन्तु प्राथीगण ने अपुर्णों के खेत में आने के  
 मुख्य द्वार पर जबरदस्ती आग रास्ते पर चबूतरा  
 बनवाकर बंद कर दिया और जब अपुर्णों ने  
 इसी द्वार को कहा तब यह प्राथीगण पेश  
 कर हरान परेशान किया जा रहा है।

प्रकार में Tehsildar, Abu Road से जारी  
 पत्र दिनांक 14/02/2023 प्राथीगण का जवाब  
 पाल। पैरीकार सरकार भी उपस्थित है निवेदन  
 किया कि धारा 25-A के तहत भूजि/रास्ता  
 लिफ्ट कृषि हेतु ही स्वीकार किया जाना चाहिए।

मैंने प्राथीगण पत्र में उचित तथ्यों व  
 सतर्क परस्तावज्ञा का अवलोकन किया,  
 वकील उभयपक्ष व पैरीकार सरकार की  
 बहस सुनी, अपुर्णों व वि. Abu Road  
 के जवाब का भी अवलोकन किया।

[Signature]

उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि प्राथमिक व उनके परिवार ने अपनी खेती भूमि खसरा नं. 361, 362, 363, 364 जगह तरतौली परतार हल्का मारथला आबूरीट अउरार्थी को विक्रय कर दी तथा खसरा नं. 361 की 02 बिन्दा भूमि मन्नाधि हेतु प्राथमिक ने अपनी पास रखी सीम पर पूर्व के 8-9 मन्नाधि बनी हुई है तथा उपरोक्त मन्नाधि स्थल हेतु शेष बची भूमि के विक्रय उपरांत नये खसरा नं. 361/1 राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाया गया।

वर्तमान प्राथमिक ने मन्नाधि से प्राथमिक ने अपने उपरोक्त खसरा नं. 361/1 मन्नाधि स्थल हेतु राजस्व काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-A के तहत पहुँच हेतु नया 10 फीट चौड़ा रास्ता बनाने हेतु भिवेदन किया जो कि प्राथमिक द्वारा अउरार्थी को विक्रय की गई भूमि में से चाहा गया है।

इस संबंधी में राजस्व काश्तकारी अधिनियम की धारा 251-4 में यह प्रावधान है कि

" कोई व्यक्ति अपनी जमीन या अधिकारियों का कोई समूह उनकी जमीन तक पहुँचने के लिए अन्य स्वतंत्रता की जमीन में से होकर एक नया मार्ग बनाना चाहता है और जानना पारस्परिक समझौते या सहमति से तय नहीं होता है तो ऐसा अधिकारी उसी सुविधा हेतु संबंधित उपखण्ड अधिकारी को भिवेदन कर सकेगा व उपखण्ड अधिकारी

...

यदि लॉसित जॉच के पञ्जात अलका ललाधान  
हो जाता है कि:-

① यह आवश्यकता आत्यंतिक आवश्यकता  
है और यह जॉच के केवल सुविधा जनक उपकरण  
के लिए नहीं है और

② अन्य स्वातंत्र्य की जॉच में ले होकर  
विक्रीत रूप में नये भाग के मानने में, पहुँचने  
के वैकल्पिक साधन का अज्ञान सिद्ध किया गया

है - जो आदेश लाना ..... अनुज्ञात कर संकेत

मैंने पार्थीगण पत्र के वर्णित लक्ष्यों, अपायों  
के अभाव, टिक, Abu Road के अभाव, वकील  
उद्योगपति व सरकारी पुरोकार की बहस के  
आधार पर लॉसित जॉच की विसर्प यह  
पुस्तक दुष्का की पार्थीगण का अपायों की जॉच  
में नये भाग बनाने का पार्थीगण पत्र खारिज  
योग्य है क्योंकि ① पार्थीगण ने ही उपरोक्त जमान  
वित्त में रास्ता चाहा है एवं विक्रय की है  
पार्थीगण चाहते तो रास्ते की डमीन हीट कर  
वैकन कर सकते थे परन्तु उन्होंने ऐसा नहीं  
किया ② पार्थीगण खलसा सं. 361/1 में कोई  
कृषि कार्य नहीं करते हैं वहा पर उनके परिवार  
की सहायि है अतः यह रास्ता कृषि करने हेतु  
या कृषि कार्य हेतु नहीं चाहिए बल्कि सहायि  
एतल तक जाने हेतु चाहिए तथा अधिकियत  
की धारा 35A-A का उपरोक्त स्वातंत्र्य की कृषि  
कार्य करने में व अपनी जॉच लक पहुँचने के  
लिए कहनाइयो के ललाधान के लिए था

पुस्तक

न कि अन्य कोई प्रयोजनार्थ हेतु)

अतः उपरोक्त जॉय के आधार पर मेरा यह समझाधान गृहीत होता है कि प्राथमिकता प्राप्त चाहे जाये रास्ते की आवश्यकता आत्यंतिक आवश्यकता है और चाहा गया रास्ता मेरे गठ में सिर्फ सुविधाजनक उपयोग/उपभोग के लिए ही है तथा प्राथमिकता पट्टी हेतु वैकल्पिक साधन का अभाव भी सिद्ध नहीं कर सकें क्योंकि अधिकांश ने अपने खेत से होते हुए धर के पीछे से होकर पटाइजी व Idar, Abu Road के भी एक पटाइजी का उल्लेख किया है अतः वैकल्पिक साधनों का अभाव भी सिद्ध नहीं कर सकें।

अतः धारा 25-A की दोहरी शर्तों 25-A (b) (i) & (ii) को संतुष्ट नहीं कर सकने से उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्राथमिकता पत्र खारिज किया जाता है।

पत्रावली संख्या 20/2014 ही नम्बर से फाइल है।

(4)  
20/14

सहायक कलेक्टर  
आबूरोड (सिरोही)